ईश्वरीय रंग में रंग लें अपना जीवन : राजयोगिनी गोदावरी दीदी

आबू पर्वत (**ज्ञान सरोवर**) २६ मई २०१८

आज ज्ञान सरोवर स्थित हार्मनी हॉल में ब्रह्माकुमारीज एवं आर ई आर एफ की भगिनी संस्था, "वैज्ञानिक और अभियंता प्रभाग " के संयुक्त तत्वावधान में एक अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मलेन का मुख्य विषय था - "जीवन प्रबंधन के रहस्यों को प्रत्यक्ष करना " . इस सम्मलेन में नेपाल सहित भारत वर्ष के विभिन्न प्रदेशों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधिओं ने भाग लिया . दीप प्रज्वलित करके इस सम्मेलन का उद्घाटन सम्पन्न हुआ.

राजयोगिनी गोदावरी दीदी ने सम्मेलन को अपना आशीर्वचन दिया। आपने कहा कि अगर हमने अपने आप को नहीं पहचाना तो जीवन

बर्बाद है ,बिना किसी अर्थ का है। खुद को और खुदा को पहचानो। खुद को पहचान लेंगे तभी जीवन का प्रबंधन कर पाएंगे। ईश्वर का रंग अगर जीवन में आएगा तभी हमारे जीवन का बढ़िया प्रबंधन हो पायेगा।

राजयोगी मोहन सिंघल , वैज्ञानिक और अभियंता प्रभाग के उपाध्यक्ष ने इस सम्मेलन का लक्ष्य स्पष्ट करते हुए बताया कि जीवन के छह मुख्य पहलू होते हैं उन सभी को ठीक रीति से समझने के लिए हमने विभिन्न सत्र रखे हैं। उनके विषय इस प्रकार से हैं : "जीवन की दिशा ,प्राथमिकता , संवाद कौशल , मन का प्रबंधन , सम्बन्धो की मधुरता तथा पीड़ा और आलोचनाओं का प्रबंधन। साथ ही जीवन में ख़ुशी प्राप्ति की विधि "।

जब उपर्युक्त सभी विषय आपको ठीक रीति से समझ आ जायेंगे तब आप अपना जीवन बढ़िया रीति से संचालित कर पाएंगे। जीवन के सारे

रहस्य खुलते रहेंगे। अनेक बार अंदर का सफर हमें काफी समझ और जानकारियां प्रदान करता है। आतंरिक सफर जारी रखिये।

डी वी शास्त्री ,इ डी , एच् आर डी ने आज अपना उदघाटन भाषण दिया। कहा कि मन परम शक्तिशाली है मगर हम इसका एक छोटा सा हिस्सा ही प्रयोग में ला पाते हैं। जीवन के प्रबंधन के लिए नियंत्रण चाहिए - वह भी स्वयं पर। वह कैसे करें ?? इसी पर विचार करना है। मन तो काफी चचल है। यह जान लेना की मन की चंचलता को कैसे रोका जाए - तब समस्या का समाधान निकलेगा। अभ्यास से हम मन की चंचलता को नियंत्रण में ला पाएंगे।

शम्भू प्रसाद, विश्व बैंक में प्रोग्रामर , विशिष्ठ अतिथि, नेपाल ने भी अपने उदगार रखे। आपने बताया कि मात्र शरीर को ठीक रखने से सफलता नहीं मिलेगी बल्कि हमारे अंदर की सूक्ष्म शक्तियां का ठीक

और स्वस्थ होना आवश्यक है। वह सूक्ष्म शक्तियां राजयोग के अभ्यास से ही सही होंगी। हम यहां ब्रह्मा कुमारीस से ये राजयोग सीख कर वापस जायेंगे। और उसी आधार पर हम अपने जीवन में सफलता का रहस्य पा लेंगे।

बी के अरुण साहू , एडिशनल जी एम् ,राउरकेला प्लांट ने आज के अवसर पर अपने उदगार कुछ इस प्रकार रखे। आपने ब्रह्मा कुमारीस संस्थान के बारे में प्रतिनिधिओं को बताया।

जवाहर मेहता ,पूर्व विंग कमांडर ने अपने उदगार प्रकट किये। आपने कहा मुझे विश्वास है की आप भी यहां से मेरी तरह जीवन के रहस्यों को समझ पाएंगे जो मैंने ४८ वर्ष पहले समझा था और उसको बेहतर बनाने की तकनीक भी सीख पाएंगे।

वैज्ञानिक और अभियंता प्रभाग के **क्षेत्रीय संयोजक भारत भूषण** ने जीवन के बारे में बताया। कहा की हम स्पिरिट हैं , आत्मा हैं। हमें आत्मा को समझना है और अनुभव में लाना है।

अंग्रेजी के परफेक्ट शब्द को आपने जीवन को परिभाषित करने के लिए बढ़िया माना। कहा पॉजिटिव रहिये , अर्ली जाग जाईये , रेस्पेक्ट दीजिये सभी को ,फोर्गीवेनेस्स जीवन को बढ़िया बनाता है, खुद को एनेर्जाइज़ करिये, और करेज का साथ कभी ना छोड़िये।

बी के पीयूष, दिल्ली ने कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर , बी के सिंह ,सेल के प्रबंध निदेशक , महासचिव ब्रह्माकुमारीज़ ,राजयोगी निर्वैर भाई तथा राजयोगिनी सरला दीदी ,वैज्ञानिक और अभियंता प्रभाग की अध्यक्षा के सन्देश पढ़ कर सुनाये। अन्य महानुभावों ने भी अपना शुभकामना सन्देश भेजा है।

राजयोगिनी ज्योति बहन ने कुछ समय के लिए ध्यान का अभ्यास करवाया।

बी के भरत , वैज्ञानिक और अभियंता प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ने पधारे हुए सभी प्रतिनिधिओं का स्वागत किया।

बी के नरेंद्र भाई ने अतिथियों के लिए आभार प्रकट किया। **ब्रह्मा कुमारी माधुरी बहन** ने मंच का सञ्चालन किया। (रपट : **बी के गिरीश** , मीडिया ,ज्ञान सरोवर).